।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२६ **समय : १ घंटा** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए। **(५)**

१. किसको लकड़ीयों की बलिवेदी पर बिठाया गया? .....

२. किस लोक में कुमार वर्धमान का जन्म हुआ? .....

३. किसके आंख की पलक झपकती नहीं? .....

४. सुनीता की सहेली का नाम क्या था? .....

५. कुएं के पानी में बच्चें की क्या पड़ी? .....

प्रश्न २. अंकों में जवाब बताइए। **(५)**

१. माता–पिता आपको सही तरीका पढ़ाते हैं– यह बात कौन–से नंबर की हैं? .....

२. कभी न रखों मन में गांठ यह बात कौन–से अंक की हैं? .....

३. भगवान के कितने वाक्य रोहिणेय के कानों में पहुंचे? .....

४. गरीब ब्राह्मण की पत्नी को कितने पुत्र थें? .....

५. विक्की की कक्षा कौन–से नंबर की थी? .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर बताइए। **(५)**

१. छोटी–छोटी ..... बरतकर, बड़ी परेशानी से बच जाना।

२. ..... की बहायेंगे निर्मल धारा, पा जायेंगे हम मोक्ष किनारा।

३. ..... की सेवा हम करते हैं, दौलत जिन्होंने ठुकरायी है।

४. ..... देती हमको, रोचक तथ्य बताती सबको।

५. ..... का यह गान हैं, हम महावीर की संतान है।

प्रश्न ४. निम्नलिखित काम कौन–से व्यक्ति ने किया हैं, बताइए। **(५)**

१. अंधे माता–पिता को तीर्थस्थानों की यात्रा करायी। .....

२. तेला करके हरिणगमैषी देव को प्रसन्न किया। .....

३. १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कंठस्थ किया। .....

४. दांत तोड़कर राजा न बनना स्वीकार किया। .....

५. मेरे स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह था। .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए नाम किसके हैं पहचानकर उनके नंबर बताइए। **(१०)**

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
१. अग्निभूतिजी	.....	.....
२. सुविधिनाथजी	.....	.....

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
३. अरिष्टनेमिजी	.....	.....
४. मौर्यपुत्रजी	.....	.....
५. प्रभासजी	.....	.....

प्रश्न ६. 'यत्रोत्साह समारंभो.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ७. 'गिनती गीत' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८. (१०)

सूचना – निम्नलिखित चीजों में साधु की कौनसी और गृहस्थ की कौनसी पहचानिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२६ **समय : २ घंटे** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम :** .....

(जैन पाठावली – भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. किसको लकड़ीयों की बलिवेदी पर बिठाया गया? .....
२. किस लोक में कुमार वर्धमान का जन्म हुआ? .....
३. किसके आंख की पलक झपकती नहीं? .....
४. सुनीता की सहेली का नाम क्या था? .....
५. कुएं के पानी में बच्चें की क्या पड़ी? .....
६. विक्की ने क्या कहने की हिम्मत की? .....
७. महात्मा का पहला शिष्य कैसा था? .....
८. सब्जी किसमें डालने लायक थी? .....
९. स्वाध्याय का साधन कौन-सा है? .....
१०. जीवन के कितने भाग होते हैं? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. छोटी-छोटी ..... बरतकर, बड़ी परेशानी से बच जाना।
२. ..... की बहायेंगे निर्मल धारा, पा जायेंगे हम मोक्ष किनारा।
३. ..... की सेवा हम करते हैं, दौलत जिन्होंने ठुकरायी है।
४. ..... देती हमको, रोचक तथ्य बताती सबको।
५. ..... का यह गान हैं, हम महावीर की संतान है।
६. कसेंगे ..... और आगे बढेंगे।
७. दिल का ..... , गंभीर रहना।
८. खिल उठे हर ..... का मन।
९. सदा करो तुम अच्छी .....।
१०. घर-घर वरते .....।

प्रश्न ३. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. माता-पिता आपको सही तरीका पढ़ाते हैं- यह बात कौन-से नंबर की हैं? .....
२. कभी न रखों मन में गांठ यह बात कौन-से अंक की हैं? .....
३. भगवान के कितने वाक्य रोहिणेय के कानों में पहुंचे? .....
४. गरीब ब्राह्मण की पत्नी को कितने पुत्र थें? .....
५. विक्की की कक्षा कौन-से नंबर की थी? .....

६. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प कितने हैं? .....
७. महात्मा के कितने शिष्य थें? .....
८. आचार्य के गुण कितने हैं? .....
९. इन्द्रियां कितनी हैं? .....
१०. गणधर कितने हैं? .....

प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. कुतीया और उसके बच्चें एक खेत में रहते थे। .....
२. Sunday is a chance to get Better. .....
३. अपने देश के प्रति हमें गर्व होना चाहिए। .....
४. सब्जी की गंध बहुत अच्छी आ रही थी। .....
५. माता – पिता आपके लिए उपकारी है। .....
६. देवताओं के पैर जमीं पर टिकते हैं। .....
७. राजा और प्रजा बहुत दुखी थे। .....
८. चारों शिष्य बगीचे में गये। .....
९. सुनीता ने बात संभाली। .....
१०. धर्म पर श्रद्धा रखें। .....

प्रश्न ५. ये कौन है, पहचानिए। **(८)**

१. अंधे माता-पिता को तीर्थस्थानों की यात्रा करायी। .....
२. तेला करके हरिणगमैषी देव को प्रसन्न किया। .....
३. १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कंठस्थ किया। .....
४. दांत तोड़कर राजा न बनना स्वीकार किया। .....
५. मेरे स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह था। .....
६. कडवी सब्जी पीकर प्राण त्याग दिए। .....
७. बगीचे में घनी छांह देखकर सो गया। .....
८. १४ वर्ष का वनवास स्वीकार किया। .....

प्रश्न ६. यह बात किसने कही, पहचानिए। **(५)**

१. कुएं के पास कोई नहीं जाएगा। .....
२. उस जगह एक यज्ञ करना पड़ेगा। .....
३. तुम सजा के हकदार नहीं हो। .....
४. तुमने बगीचे में क्या देखा? .....
५. मुझे माफ करो। .....

प्रश्न ७. इस पद के में कितने गुण हैं, लिखिए। **(५)**

१. दर्शन पद .....
२. सिद्ध पद .....
३. तप पद .....

४. उपाध्याय पद .....

५. अरिहंत पद .....

प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके हैं पहचानकर उनके नंबर लिखिए। **(७)**

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
१. अग्निभूतिजी	.....	.....
२. सुविधिनाथजी	.....	.....
३. अरिष्टनेमिजी	.....	.....
४. मौर्यपुत्रजी	.....	.....
५. प्रभासजी	.....	.....
६. मल्लिनाथजी	.....	.....
७. अभिनंदनजी	.....	.....

प्रश्न ९. निम्नलिखित सीख कौन-से कहानी की है, पहचानिए। **(५)**

१. अपने भीतर रहे अहंकार को त्यागे। .....

२. किसी से ईर्ष्या न करें। .....

३. बड़ों की बातें सुनना। .....

४. बुरी आदतों से बचे। .....

५. लालच न करें। .....

प्रश्न १०. जोड लगाइए। **(१०)**

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. धर्मस्य च	किं करिष्यति?	१.	.....
२. यत्रालस्य	कुतो धनम्?	२.	.....
३. दानमध्ययनं	च सर्वदा।	३.	.....
४. विद्वत्वं च	धनस्य च।	४.	.....
५. कणत्यागे	भवन्तु लोकः।	५.	.....
६. आत्मजः	विहीनता।	६.	.....
७. सर्वत्र सुखी	नृपत्वं च।	७.	.....
८. अक्षयत्वात्	तपः।	८.	.....
९. चतुर्थे	न केणइ।	९.	.....
१०. वेरं मज्झ	प्रतिकूलानि।	१०.	.....

प्रश्न ११. प्रतिदिन दोहराने के संकल्प लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२. 'यत्नोत्साह समारंभो.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १३. सूचना – निम्नलिखित चीजों में साधु की कौनसी और गृहस्थ की कौनसी पहचानिए। (१०)

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२६ **समय : १ घंटा** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. निशदिन चलता ..... कह रहा, नहीं थको श्रम करना सीखो।
२. कौशल्या ..... की माता, मृगावती जी दें सुख साता।
३. नीले-पिले जिल्दों में तो, लगती ..... है पुस्तक।
४. जीत उन्हीं की होती है, जिनमें ..... का वो बल है।
५. ..... से पूर्ण होते हैं, संकल्प सारे यह जान लो।

प्रश्न २. अंकों में जवाब बताइए। **(५)**

१. शुभम बॅनर्जी ने कितने वर्ष की उम्र में ब्रेललिपि का प्रिंटर बनाया? .....
२. कितने इन्द्र भगवान का जन्मोत्सव मनाने कुंडलपुर नगरी में आयें? .....
३. देव शाह ने कितने वर्ष की उम्र में शतरंज का खिताब जीता? .....
४. कितने दिन बाद भगवान के नामकरण का कार्यक्रम रखा? .....
५. तृप्त राज पाण्डे कितने वर्ष की उम्र में तबला वादक बने? .....

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर बताइए। **(५)**

१. अच्छी आदत से बुरी आदत को Replace करें। .....
२. माला यह सामायिक का सबसे मुख्य साधन हैं। .....
३. रास्ते में गिरे बीजों से फसल अच्छी आती हैं। .....
४. जीने के लिए भोजन करना 'आवश्यकता' है। .....
५. श्रेणिक राजा और आर्द्रकुमार अच्छे मित्र थे। .....

प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर बताइए। **(५)**

१. शब्दों की बजाय ..... से बात जल्दी समझ में आती है। (वातावरण, उदाहरण)
२. खुद ..... रहकर किसी को खिलाकर तो देखिए। (अच्छा, भूखा)
३. Mistakes are ..... that you are TRYING. (Check, Proof)
४. ..... का अर्थ है जीवन जीने की सही पद्धति। (आचरण, धर्म)
५. सूरज निकला मिटा ..... देखो बच्चों हुआ सवेरा। (अंधेरा, बसेरा)

प्रश्न ५. ये किसने कहां, बताइए। **(५)**

१. कल मैं नमन को तैयारी के साथ भेजूंगी। .....
२. मैं हलचल नहीं करूंगा, शांत रहूंगा। .....

३. क्या आपके भी और कोई भगवान हैं? ....
४. मैंने कुछ गलत काम किया हैं? ....
५. जल्दी बता, मेरे बैल कहां हैं? ....

प्रश्न ६. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (५)

नाम	**तीर्थंकर / गणधर / विहरमान / सती**	**नंबर**
१. द्रौपदीजी	....	....
२. अकम्पितजी	....	....
३. चन्द्रानन स्वामीजी	....	....
४. अरनाथजी	....	....
५. बाहुस्वामीजी	....	....

प्रश्न ७. 'यस्तु संचरते......' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८. 'इनसे सीखें' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ९. सूचना – नीचे इस किताब में आये व्यक्तियों के नाम के अक्षरों को आगे पीछे किया है उन्हें क्रमशः लगाकर सही नाम लिखिए। (१०)

जैसे – द्धा व र्थ क् सि णि	सिद्धार्थवणिक्
भ र वा भ ग द्धा न वी	
कु अ क मा मु ति र क	
क्षु ना क सी पू ट रा त	
वा त्रि व छ सु पू दे	
य भ कु र अ मा	
घ र रव वै क	
जा श्रे क रा णि	
ग वी रा त	
ज्ञा लि ना	
द्धि का बु	

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२६ **समय : २ घंटे** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम :** .....

(जैन पाठावली – भाग २)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. भ. महावीर ने त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव में किसके कानों में गरम शीशा डलवाया? .....

२. कौन अपने कंधेपर बीजों से भरा झोला लेकर निकला? .....

३. अतिमुक्तक कुमार किसके साथ खेल रहे थे? .....

४. कौन हर सुबह पानी भरने के लिए निकलता था? .....

५. साधक साधना के लिए किसपर बैठता हैं? .....

६. जो स्पर्धा में उलझते हैं वे कौन बनते हैं? .....

७. बुरी आदतों को धीरे-धीरे क्या करें? .....

८. हर जीव की क्या करनी चाहिए? .....

९. ग्वाला क्या घरपर छोड़ आया था? .....

१०. आर्द्रकुमार ने पेटी कब खोली? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. निशदिन चलता ..... कह रहा, नहीं थको श्रम करना सीखो।

२. कौशल्या ..... की माता, मृगावती जी दें सुख साता।

३. नीले-पिले जिल्दों में तो, लगती ..... है पुस्तक।

४. जीत उन्हीं की होती है, जिनमें ..... का वो बल है।

५. ..... से पूर्ण होते हैं, संकल्प सारे यह जान लो।

६. ..... रस होता भाषा में, और इसी में विष भी होता।

७. ..... करने से इनको, सभी पाप कट जाते।

८. ..... निज मुंह की खाएं, पथ में हरदम डटना।

९. ..... जीवन भी किसे न भाता।

१०. सब गुण ....., ज्ञान-उजागर।

प्रश्न ३. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. शुभम बॅनर्जी ने कितने वर्ष की उम्र में ब्रेललिपि का प्रिंटर बनाया? .....

२. कितने इन्द्र भगवान का जन्मोत्सव मनाने कुंडलपुर नगरी में आयें? .....

३. देव शाह ने कितने वर्ष की उम्र में शतरंज का खिताब जीता? .....

४. कितने दिन बाद भगवान के नामकरण का कार्यक्रम रखा? .....

५. तृप्त राज पाण्डे कितने वर्ष की उम्र में तबला वादक बने? .....

६. दृढ़ आदत डालने में कम से कम कितने दिन लगते हैं? .....
७. प्रतिदिन कितनी लाइनें लिखने से चिंतन शक्ति बढ़ेगी? .....
८. आर्द्रमुनि मगध देश में कितने मुनियों के साथ पधारें? .....
९. SUCCESS की कितनी सीढियाँ हैं? .....
१०. विहरमान कितने हैं? .....

प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. अच्छी आदत से बुरी आदत को Replace करें। .....
२. माला यह सामायिक का सबसे मुख्य साधन हैं। .....
३. रास्ते में गिरे बीजों से फसल अच्छी आती हैं। .....
४. जीने के लिए भोजन करना 'आवश्यकता' है। .....
५. श्रेणिक राजा और आर्द्रकुमार अच्छे मित्र थे। .....
६. शाम को प्रतिदिन वीतराग स्कूल जाता है। .....
७. जैन धर्म के त्यौहारों को उत्सव कहते हैं। .....
८. मेरे धर्माचार्य भगवान महावीर सर्वज्ञ हैं। .....
९. अपने मूल्य को पहचानना चाहिए। .....
१०. नमक खीर को बेस्वाद बनाता है। .....

प्रश्न ५. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(१०)**

१. शब्दों की बजाय ..... से बात जल्दी समझ में आती है। (वातावरण, उदाहरण)
२. खुद ..... रहकर किसी को खिलाकर तो देखिए। (अच्छा, भूखा)
३. Mistakes are ..... that you are TRYING. (Check, Proof)
४. ..... का अर्थ है जीवन जीने की सही पद्धति। (आचरण, धर्म)
५. सूरज निकला मिटा ..... देखो बच्चों हुआ सवेरा। (अंधेरा, बसेरा)
६. हमें किसी को ..... नहीं कहने चाहिए। (अपशब्द, गलत शब्द)
७. अपनी बात पर ..... नहीं चाहिए। (लडना, अड़ना)
८. व्यर्थ की ..... से दूर रहना चाहिए। (चिंताओं, समस्याओं)
९. ..... को दृढ़ बनाने का प्रयास करे। (संबंध, मित्रता)
१०. ..... मंजिल हम पा जाए। (उचित, लक्षित)

प्रश्न ६. ये किस कहानी के पात्र हैं?, कहानी का नाम लिखिए। **(५)**

१. आर्द्रक राजा .....
२. संत महात्मा .....
३. खरक वैद्य .....
४. अतिमुक्तक कुमार .....
५. श्यामु .....

प्रश्न ७. ये किसने कहां, लिखिए। **(५)**

१. कल मैं नमन को तैयारी के साथ भेजूंगी। .....
२. मैं हलचल नहीं करूंगा, शांत रहूंगा। .....

३. क्या आपके भी और कोई भगवान हैं? .....

४. मैंने कुछ गलत काम किया हैं? .....

५. जल्दी बता, मेरे बैल कहां हैं? .....

प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके हैं पहचानकर उनके नंबर लिखिए। **(१०)**

नाम	तीर्थंकर / गणधर / विहरमान / सती	नंबर
१. द्रौपदीजी	.....	.....
२. अकम्पितजी	.....	.....
३. चन्द्रानन स्वामीजी	.....	.....
४. अरनाथजी	.....	.....
५. बाहुस्वामीजी	.....	.....
६. श्रेयांसनाथजी	.....	.....
७. पुष्पचूलाजी	.....	.....
८. व्यक्तस्वामीजी	.....	.....
९. महावीर स्वामीजी	.....	.....
१०. राजीमतीजी	.....	.....

प्रश्न ९. मैं कौन हूं पहचानिए। **(५)**

१. १० वर्ष की उम्र में वायुयान का अविष्कार किया। .....

२. मैं २ वर्ष की उम्र में ही पढ़ना जानता था। .....

३. मैंने आर्य देश में जाने की आज्ञा मांगी। .....

४. हमें जन्म से ही तीन ज्ञान होते हैं। .....

५. मैंने ३०,००० पेंटिंग्ज बनायी। .....

प्रश्न १०. जोड लगाइए। **(५)**

अ–स्तंभ	ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. प्रह्लादयति	अ. नरस्त्यजेत्	१.	.....
२. आचारः	इ. च कर्तव्यो	२.	.....
३. स्वोद्योगं	उ. च पुरुषं	३.	.....
४. त्रिषु नैव	ऊ. प्रयान्तु नाशं	४.	.....
५. दोषाः	ए. प्रथमो धर्मः	५.	.....

प्रश्न ११. गुरुवंदन का पाठ पूर्ण एवं महावीर जयंती के जुलूस में करने योग्य संकल्पों में से कोई ३ संकल्प लिखिए। **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२. 'यस्तु संचरते......' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

प्रश्न १३. सूचना – नीचे इस किताब में आये व्यक्तियों के नाम के अक्षरों को आगे पीछे किया है उन्हें (१०)
क्रमशः लगाकर सही नाम लिखिए।

जैसे – द्धा व र्थ क् सि णि	सिद्धार्थवणिक्
भ र वा म ग हा न वी	
कु अ त्त मा मु लि र क	
ध्रु ना क सी पू ट रा त	
वा त्रि व छ सु पू दे	
रा भ कु र अ मा	
श र स्व वै क	
जा श्री क रा णि	
गा वी रा त	
ज्ञा जि ना	
द्धि का बु	

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – मौखिक**

सन् २०२६ **समय : १ घंटा** **सम्पूर्णांक : ५०**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब बताइए। **(५)**

१. आहार न मिलने के कारण किसकी काया सूख गयी थी? .....

२. कुलकर्णी और देशपांडे ने किसके घर को सुरक्षित रखा? .....

३. कौन-से गति के जीव तीनों लोक में होते हैं? .....

४. किससे पूर्व नवकारसी के प्रत्याख्यान करें? .....

५. गुरु को सर्वप्रथम किसकी उपमा दी है? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर बताइए। **(५)**

१. आनंदऋषिजी म.सा. का बचपन का नाम नेमीचंद था। .....

२. सभी संसारी जीव में कोई न कोई विशेषता होती हैं। .....

३. जिनेश्वर प्ररूपित जो तत्त्व है वही हमारा धर्म है। .....

४. आकाश से अन्नदाणं अन्नदाणं की घोषणा हुई। .....

५. कुलकर्णी और देशपांडे ने चीटीं पर दया की। .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर बताइए। **(५)**

१. कभी भूलकर झूठ न बोले, ... न किसी को दिया करे।

२. घर-घर में ..... देव का, सन्देश पहुंचाऊंगा।

३. एक ..... हो एक ही कर्म, एक हमारा हो जैन धर्म।

४. जिसके द्वारा आत्मा जाना जाये उसे ..... कहते हैं।

५. ..... भूखों को देना, प्यासों को जलदान करो।

प्रश्न ४. इनकी संख्या बताइए। **(५)**

१. धर्मस्थानक में पालने योग्य नियम की संख्या – .....

२. तीर्थंकर की विशेषताएं – .....

३. गुरुदेव का जन्म वर्ष – .....

४. हमारे तीर्थंकर – .....

५. गति के भेद – .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए जीवों की जाति, काया पहचानकर बताइए। **(१०)**

जीव	**जाति**	**काया**
जैसे – रत्न	**एकेन्द्रिय**	**पृथ्वीकाय**
१. नल का पानी	.....	.....

जीव	जाति	काया
२. अमिताभ बच्चन	.....	.....
३. बिजली	.....	.....
४. मच्छर	.....	.....
५. फल	.....	.....

प्रश्न ६. 'साधूनां दर्शनं .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ७. 'बताइए' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८. सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए। (१०)

शब्द :– ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी,
सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर

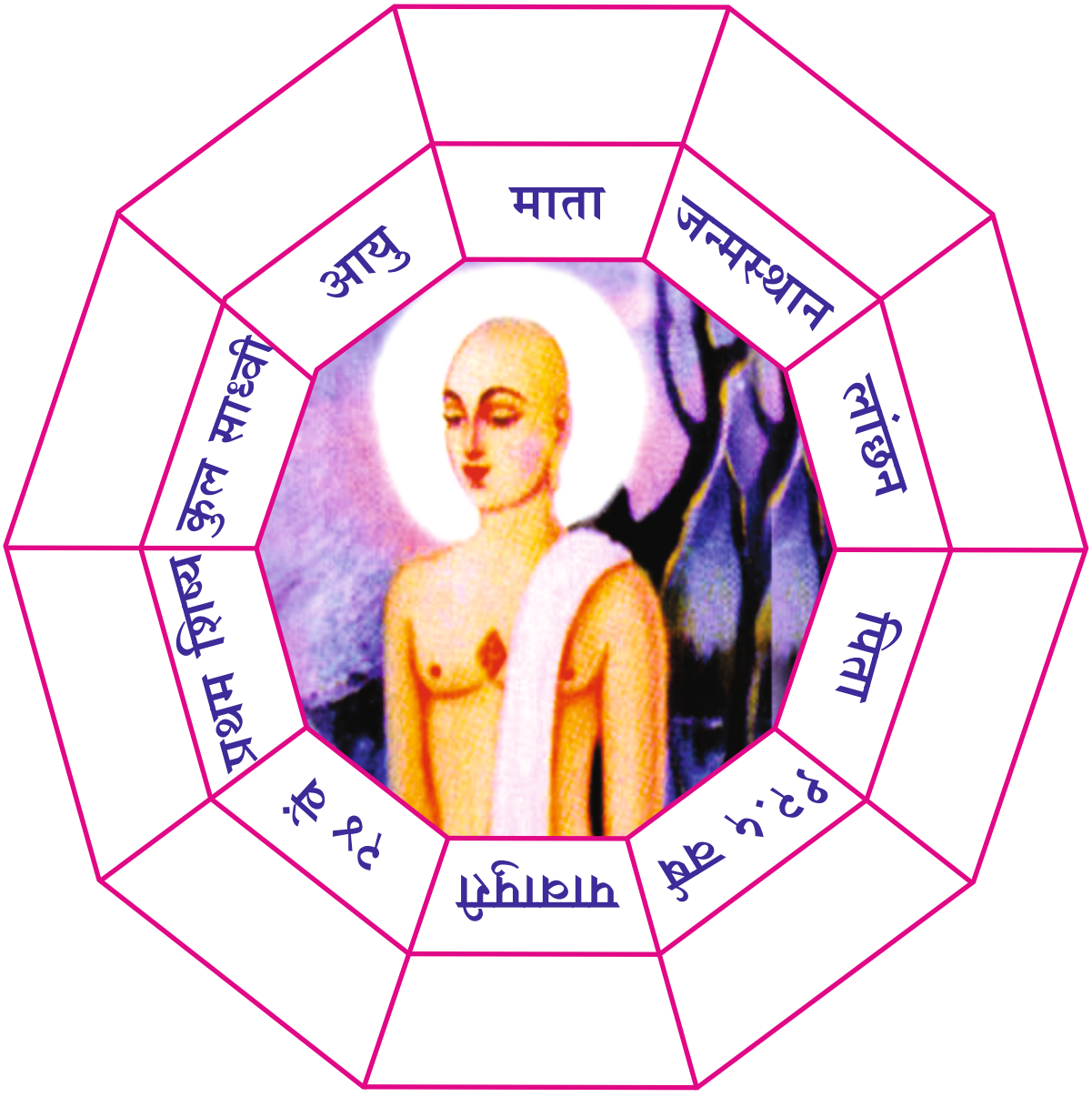

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५५२ **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२६ **समय : २ घंटे** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. आहार न मिलने के कारण किसकी काया सूख गयी थी? .....

२. कुलकर्णी और देशपांडे ने किसके घर को सुरक्षित रखा? .....

३. कौन-से गति के जीव तीनों लोक में होते हैं? .....

४. किससे पूर्व नवकारसी के प्रत्याख्यान करें? .....

५. गुरु को सर्वप्रथम किसकी उपमा दी है? .....

६. किस समय आपस में बातें न करें? .....

७. राग और द्वेष से रहित कौन होते हैं? .....

८. खटमल की जाति कौन-सी? .....

९. श्रेणिक के पुत्र कौन थे? .....

१०. धर्म का हृदय क्या है? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. कभी भूलकर झूठ न बोले, ... न किसी को दिया करे।

२. घर-घर में ..... देव का, सन्देश पहुंचाऊंगा।

३. एक ..... हो एक ही कर्म, एक हमारा हो जैन धर्म।

४. जिसके द्वारा आत्मा जाना जाये उसे ..... कहते हैं।

५. ..... भूखों को देना, प्यासों को जलदान करो।

६. ..... हो भव पार परमेष्ठी, करते हैं नमस्कार।

७. ..... कौन? नीति से कमाई करनेवाला।

८. मेरे ..... में ज्ञान का उजियार कीजिए।

९. ..... शिला आन, घाट घडे भारी है।

१०. समय-समय ..... को वंदना हमारी है।

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। **(१०)**

१. आनंदऋषिजी म.सा. का बचपन का नाम नेमीचंद था। .....

२. सभी संसारी जीव में कोई न कोई विशेषता होती हैं। .....

३. जिनेश्वर प्ररूपित जो तत्त्व है वही हमारा धर्म है। .....

४. आकाश से अन्नदाणं अन्नदाणं की घोषणा हुई। .....

५. कुलकर्णी और देशपांडे ने चीटीं पर दया की। .....

६. भगवान ऋषभदेव के एक शिष्य थे मेघमूनि! .....
७. अहिंसक, सादगी पूर्ण वस्त्र परिधान करें। .....
८. सामान्य इंसान ही भगवान बनते हैं। .....
९. अपना सामान अस्तव्यस्त रखें। .....
१०. शरीर को ही काया कहते हैं। .....

प्रश्न ४. मैं कौन हूँ, लिखिए। **(५)**

१. जो मेरी रक्षा करता है, मैं उसकी रक्षा करता हूँ। .....
२. मैंने १६ भाषाओं का अध्ययन किया। .....
३. स्वयं की प्रेरणा से दीक्षा लेनेवाला। .....
४. मूर्ति का निर्माण करनेवाला। .....
५. मैं सोमयश का पुत्र हूँ। .....

प्रश्न ५. इनकी संख्या लिखिए। **(५)**

१. धर्मस्थानक में पालने योग्य नियम की संख्या – .....
२. तीर्थंकर की विशेषताएं – .....
३. गुरुदेव का जन्म वर्ष – .....
४. हमारे तीर्थंकर – .....
५. गति के भेद – .....

प्रश्न ६. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। **(१०)**

१. तीर्थंकर ..... में आनेवाले उपसर्ग-परीषहों को समभाव से सहन करते हैं। (वैराग्यकाल, साधनाकाल)
२. तीर्थंकर जहां रहते हैं वहां किसी प्रकार का ..... झगडे आदि नहीं होते। (उपद्रव, बाधाएं)
३. ..... को किसी के प्रति मोह या तिरस्कार नहीं होता है। (तीर्थंकर, वीतराग)
४. न किसी के प्रति डर रहेगा न किसी के प्रति ..... । (प्रक्षेपण, आकर्षण)
५. अक्षय तृतीया ..... धर्म का एक महान पर्व बन गया। (जैन, पारसी)
६. आपश्री के जीवन में ..... को अग्रस्थान मिला। (परीक्षा, शिक्षा)
७. तीर्थंकर दीक्षा से पहले वर्षभर तक ..... देते हैं। (दान, भोजन)
८. जो धर्म की आराधना करते हैं वे ..... हैं। (मार्मिक, धार्मिक)
९. ..... में नरक के जीव होते हैं। (अधोलोक, ऊर्ध्वलोक)
१०. ..... करना बूरा नहीं है। (गलती, बात)

प्रश्न ७. ये सीख किस कहानी की हैं, लिखिए। **(५)**

१. तीर्थंकर कर्मों से मुक्ति के लिए दीक्षा लेते हैं। .....
२. अपने संकल्प पर दृढ़ रहना चाहिए। .....
३. दूसरे जीवों की रक्षा करनी चाहिए। .....
४. देव निरंतर आत्मचिंतन में रहते हैं। .....
५. गलत निर्णय को बदलना चाहिए। .....

प्रश्न ८. जोड लगाइए। **(५)**

अ–स्तंभ	ब–स्तंभ	अ–स्तंभ	ब–स्तंभ
१. कर्कशाऽपि	अ. धनमाप्नोति	१.	.....
२. अभिवादन	इ. त्वहोरात्रिं	२.	.....
३. मौनिनः	उ. सितोपला	३.	.....
४. अधमस्य	ऊ. शीलस्य	४.	.....
५. पात्रत्वाद्	ए. कलहो नास्ति	५.	.....

प्रश्न ९. प्रत्येक के २–२ उदाहरण लिखकर नीचे दिया तक्ता पूर्ण कीजिए। **(५)**

जैसे – पंचेन्द्रिय	**हाथी**	**नारकी**
१. तेइन्द्रिय	.....	.....
२. वायुकाय	.....	.....
३. बेइन्द्रिय	.....	.....
४. त्रसकाय	.....	.....
५. अपकाय	.....	.....

प्रश्न १०. नीचे दिये पदों की परिभाषा लिखिए। **(१०)**

१. भाषा पर्याप्ति .....
.....

२. देव गति .....
.....

३. त्रसकाय .....
.....

४. देशना .....
.....

५. रसनेन्द्रिय .....
.....

प्रश्न ११. नीचे दिए हुए जीवों की जाति, काया पहचानकर लिखिए। **(१०)**

जीव	**जाति**	**काया**
जैसे – रत्न	**एकेन्द्रिय**	**पृथ्वीकाय**
१. नल का पानी	.....	.....
२. अमिताभ बच्चन	.....	.....
३. बिजली	.....	.....
४. मच्छर	.....	.....
५. फल	.....	.....

प्रश्न १२. 'साधूनां दर्शनं .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १३. सूचना – भगवान महावीर का परिचय नीचे दिये हुए शब्दों की सहायता से पूरा कीजिए। (१०)

शब्द :- ३६,००० , निर्वाण भूमि, त्रिशला, साधना, गौतम स्वामी,
सिद्धार्थ, सिंह, ७२, तीर्थंकर, कुण्डलपुर